सेविका दिव्यांगजन सशक्तिकरण ट्रस्ट

एन. 8/236 के 58, फ्लैट नं0 101, गणेशधाम कालोनी, नेवादा, सुन्दरपुर, वाराणसी

प्रगति अभिलेख 2022-23

सेविका दिव्यांगजन सशक्तिकरण ट्रस्ट, वाराणसी की स्थापना सन् 2018 में वाराणसी में की गयी। यह ट्रस्ट तहसील द्वारा बही संख्या 4, जिल्द संख्या 143 के पृष्ठ 359 से 378 तक क्रमांक 43 पर रजिस्ट्रीकृत किया गया है तथा उत्तर प्रदेश के निःशक्त व्यक्तियों के लिए अधिकरों तथा संरक्षण की पूर्णभागीदारी अधिनियम 2006 के अधीन रजिस्टर्ड है। ट्रस्ट द्वारा विगत 4 वर्षों से दिव्यांग बच्चों/व्यक्तियों की सेवा में समर्पित है। इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य विशिष्ट आवश्यकता वाले (दिव्यांग) बच्चों की शिक्षा एवं पुनर्वास के प्रति लोगों में रूझान पैदा करना है। इसी उद्देश्य और समानता का अधिकार दिलाने के लिए इस ट्रस्ट का निर्धारण किया गया है। ट्रस्ट द्वारा दिव्यांग बच्चों हेतु विशेष विद्यालय की भी स्थापना की गई और निरन्तर सेवाएं प्रदान किया जाने लगा। सेवाओं में मुख्य रूप से शिक्षा के साथ ही साथ विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त ट्रस्ट द्वारा समय–समय पर दिव्यांगों हेतु जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाता रहा है। ट्रस्ट का प्रबन्धन ट्रस्ट की प्रबन्धकारिणी समिति द्वारा किया जाता है।

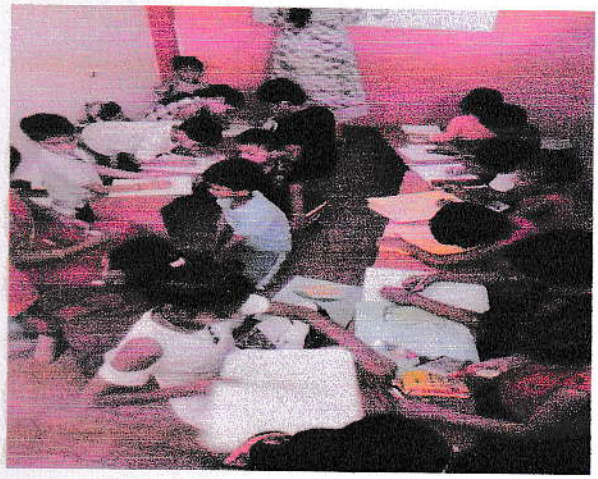

ट्रस्ट का उद्देश्य– ट्रस्ट निम्नलिखित उद्देश्यों को पूर्ण करने हेतु कार्य कर रही है–

1. विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा प्रदान करने हेतु विशेष विद्यालय की स्थापना करना एवं उन्हें आवश्यकतानुसार जैसे– फिजियोथिरैपी, स्पीचथिरैपी, साइकोथिरैपी, आकुपेशनल थिरैपी इत्यादि सेवाएं प्रदान करना।
2. विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा एवं पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु उनका चिन्हांकन करना।
3. जनपद में विभिन्न प्रकार के विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों का चिन्हांकन कर मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा गठित टीम के माध्यम से जाँचोपरान्त उन्हें दिव्यांगता प्रमाण–पत्र निर्गत कराना।

4. विशिष्ट बच्चों को उनके आवश्यकता एवं रूचि के अनुसार शिक्षण–प्रशिक्षण के साथ ही साथ विभिन्न प्रकार के खेलो में प्रतिभाग कराकर उत्साहवर्धन करना एवं स्वावलम्बी बनाना।
5. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजनाओं का क्रियान्वयन, भारतीय पुनर्वास परिषद्, नेशनल ट्रस्ट की योजनाओं तथा दिव्यांगजनों के लिए स्पेशल स्कूल की स्थापना तथा दिव्यांगजनों से सम्बन्धित शिक्षा, पुनर्वास, उपकरण वितरण कृत्रिम अंग प्रदान करने का उद्देश्य।

6. दिव्यांगजनों के लिए समाज में जागरूकता का उद्देश्य।
7. दिव्यांगजनों के लिए सर्व विद्या की राजधानी काशी में दिव्यांग से सम्बन्धित विद्या का संरक्षण, संवर्धन एवं सर्वजाति, भाषा, वर्ण के दिव्यांगजनों का समान रूप से सम्मान तथा समावेशी दिव्यांगजन समाज की स्थापना एवं लोक कल्याणकारी साहित्य का लेखन व प्रकाशन हेतु कार्य करना।
8. दिव्यांगजनों के लिए प्राइमरी स्तर से लेकर उच्च स्तर तक बालक एवं बालिका विद्यालयों, आवासीय विद्यालयों, अनावासीय विद्यालयों, कान्वेन्ट विद्यालयों, बालश्रमिक विद्यालयों, अम्बेडकर विद्यालयों, उर्दू, अरबी, फारसी, हिन्दी, अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों, दिव्यांग विद्यालयों आदि की स्थापना एवं निःशुल्क संचालन, विभागीय अनुमती से करने का प्रयास करना।
9. दिव्यांगजनों के लिए सामाजिक कल्याण हेतु शासकीय/अशासकीय/निजी क्षेत्र में स्वीकृत कल्याणकारी तथा स्वास्थ्य योजनाओं का संचालन करना तथा शासन का सहयोग करना।

10. दिव्यांगजनों के विकास हेतु सिलाई, कढ़ाई, तकनीकी, शिल्पकला, हस्तकला, काष्ठकला, कम्प्यूटर, आशुलिपि, इलेक्ट्रिकल, जरी कढ़ाई, चिकन कढ़ाई, दरी बुनाई, कला, नृत्य ब्यूटी पार्लरों आदि प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना एवं निःशुल्क संचालन करना।

दिव्यांग बच्चों हेतु जाँच शिविर का आयोजन करना–

ट्रस्ट द्वारा समय–समय पर जनपद के अलग–अलग विकासखण्डों में जाँच शिविर का आयोजन कर उनका चिन्हांकन किया जाता है जिससे उनकी दिव्यांगता व दिव्यांगता की श्रेणी का पता लगाया जा सके। चूंकि ट्रस्ट विशेष रूप से मानसिक मंद, आटिज्म, प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात एवं बहुविकलांग बच्चों हेतु कार्यरत है ऐसे में जो बच्चे शिक्षा के योग्य

होते हैं उन्हें पुनः विशेष विद्यालय में उपलब्ध विषय विशेषज्ञों के माध्यम से आवश्यकता अनुसार उन्हें शिक्षण–प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

दिव्यांग बच्चों हेतु खेल–कूद कार्यक्रम का आयोजन करना–

ट्रस्ट द्वारा प्रति वर्ष बौद्धिक अक्षमता एवं अन्य दिव्यांगता से ग्रसित बच्चों हेतु विभिन्न प्रकार के खेल–कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिसमें बच्चे के रूचि व योग्यता के अनुसार प्रतिभाग कराया जाता है। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य उनके अन्दर छिपी हीन भावना कि हम कुछ नहीं कर सकते जिसको समाप्त कर उनका उत्साहवर्धन करना और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया जाता है कि वे स्वयं को समझ सकें और उनके अन्दर यह भावना जागृत हो कि वे सामान्य बच्चों की तरह सब कुछ कर सकते हैं।

शिक्षण–प्रशिक्षण कार्यक्रम– ट्रस्ट द्वारा वर्तमान में बौद्धिक अक्षम, आटिज्म एवं प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात से ग्रसित बच्चों के लिए शिक्षण–प्रशिक्षण की सेवाएं उपलब्ध हैं। ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगजनों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इन्हें विशेष प्रशिक्षण द्वारा स्वावलम्बी व आत्मनिर्भर बनाया जाता है तथा अन्य दिव्यांगजनों को उनकी क्षमता एवं योग्यता के अनुसार तरह–तरह के व्यवसायिक प्रशिक्षण दिये जाते हैं, जैसे– मोमबत्ती बनाना, लिफाफे बनाना, ग्रीटिंग कार्ड, आर्ट एण्ड क्राफ्ट इत्यादि। इसके साथ ही साथ इन्हें निःशुल्क शिक्षा, भौतिक चिकित्सा, वाक् एवं वाणी चिकित्सा, व्यवसायिक प्रशिक्षण, खेल–कूद एवं संगीत की शिक्षा दी जाती है। इस वर्ष विद्यालय में सेवा प्राप्त करने वाले विशेष बच्चों की कुल संख्या बीस (20) है।

विश्व निःशक्तजन सप्ताह कार्यक्रम– विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्थान द्वारा दिनांक 3 दिसम्बर से 8 दिसम्बर 2022 तक विश्व दिव्यांगजन दिवस मनाया गया। इस पर्व के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत खेल–कूद प्रतियोगिता, निःशक्त बच्चों द्वारा बनाई गयी वस्तुओं की प्रदर्शनी, चित्रकला प्रतियोगिता एवं 8 दिसम्बर 2022 को अन्तर्राष्ट्रीय मानसिक मंदता दिवस का आयोजन किया गया। सप्ताह के अन्तिम दिन विशिष्ट बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

त्योहार एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम– त्योहारों एवं सांस्कृतिक कार्यक्मों के अर्न्तगत संस्थान द्वारा स्वतन्त्रता दिवस (15 अगस्त), महात्मा गाँधी जयन्ती (2 अक्टूबर), गणतन्त्र दिवस (26 जनवरी), सरस्वती पूजा एवं विश्व निःशक्तजन दिवस इत्यादि मनाएं जाते है। इसके साथ ही साथ विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक त्यौहार भी मनाया जाता है, जैसे– दीपावली, दशहरा, होली, क्रिसमस, ईंद रक्षाबन्धन, कृष्ण जन्माष्टमी, सरस्वती पूजा, बाल दिवस, अम्बेडकर जयन्ती इत्यादि।

भवन– ट्रस्ट जिस भवन में संचालित किया जा रहा है, वह स्वयं का है। इसमें 6 कमरे, बरामदा, शौचालय, स्नानागार, खेलकूद के मैदान के साथ–साथ पानी की समुचित व्यवस्था है।

साज–सज्जा– प्रबन्धकारिणी समिति द्वारा कुछ मेज, कुर्सियां, बेंच, डेस्क, स्पीच थिरैपी उपकरण, फिजियोथिरैपी उपकरण, पुस्तकें, आलमारी इत्यादि सामग्री उपलब्ध है। इन सामग्रियों का उपयोग विशेष बच्चों द्वारा किया जाता है। संस्थान में विद्यालय, कार्यालय प्रशिक्षण केन्द्र एवं कर्मचारियों हेतु आवश्यकतानुसार सभी सामान उपलब्ध हैं।

परामर्श, प्रशिक्षण एवं पुनर्वास के कार्यक्रमों का आयोजन एवं संचालन– गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र में परामर्श, प्रशिक्षण एवं पुनर्वास के कार्यक्रमो को सम्पादित किया गया।

परामर्श– 10 बच्चों एवं वयस्कों की पहचान कर परामर्श दिया गया।

परीक्षण– 12 बच्चों एवं वयस्कों का परीक्षण किया गया।

प्रशिक्षण– 16 बच्चों एवं वयस्कों के अभिभावकों एवं उनके माता–पिता को प्रशिक्षण दिया गया।

पुनर्वास– 1 वयस्क को पुनर्वासित किया गया।

नमिता सिंह

अध्यक्ष / प्रबन्धक

दिव्यांगजन सशक्तिकरण ट्रस्ट